441. अलाउद्दीन के राजस्थान पर आक्रमणों का सही कालानुक्रम है -

1. जालौर आक्रमण
2. चित्तौड़ आक्रमण
3. रणथम्भौर आक्रमण

कूट :

(a) 3, 2, 1 (b) 2, 3, 1
(c) 1, 2, 3 (d) 3, 1, 2

पटवार -2020 (24 अक्टूबर, 2021) Shift-IV

Ans. (a) अलाउद्दीन के राजस्थान पर आक्रमणों का सही कालानुक्रम निम्नलिखित है-
1. रणथम्भौर आक्रमण-1301 ई.
2. चित्तौड़ आक्रमण- 1303 ई.
3. जालौर आक्रमण- 1311 ई.

442. बीकानेर राज्य की ओर से मार्च 1818 ई.में अंग्रेजों के साथ सहायक संधि पर हस्ताक्षर किसने किए-

(a) दीनदयाल शर्मा (b) काशीनाथ ओझा
(c) बद्रीप्रसाद शर्मा (d) तेजपाल माथुर

Live Stock Assistant (Tsp Area)- 16.10.2016

Ans. (b) – बीकानेर राज्य की ओर से काशीनाथ ओझा तथा अंग्रेजो की तरफ से चार्ल्स थियोफिलस मेटकाफ ने 9 मार्च 1818 ई0 को सहायक संधि पर हस्ताक्षर किए थे। सहायक संधि एक प्रकार की मैत्री संधि थी जिसे 1708-1805ई0 के दौरान लार्ड वेलेजली ने देशी राज्यों के साथ संबंध बनाने के लिए प्रयोग किया था। इस संधि के अनुसार भारतीय राजाओं के विदेशी संबंध का निर्धारण ब्रिटिश कंपनी करेगी। साथ ही राज्य अपने खर्चे पर अंग्रेजी सेना को अपने राज्य में रखेगी।

443. कौनासा कूट सुमेलित नहीं है-

रियासत		शासक
1. झालावाड़	-	सुमेर सिंह
2. सिरोही	-	अभय सिंह
3. करौली	-	गणेश पाल
4. अलवर	-	तेज सिंह

(a) 1 (b) 2
(c) 3 (d) 4

Live Stock Assistant (Non TSP Area)- 21.08.2016

Ans. (a) महाराजा सुमेर सिंह 20 मार्च 1911 से 3 अक्टूबर 1918 तक जोधपुर के महाराज थे। अतः विकल्प (a) सुमेलित नहीं है।

444. राजकुमार अजीतसिंह को जोधपुर पुनः दिलाने में किस का योगदान सर्वाधिक रहा?

(a) वीर दुर्गादास राठौड़ (b) जैंता व कूंपा
(c) पन्नाधाय (d) जयमल व पत्ता

कृषि पर्यवेक्षक भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (a) – राजकुमार अजीतसिंह को जोधपुर पुनः दिलाने में वीर दुर्गादास राठौड़ का योगदान था। दुर्गादास राठौड़ ने औरंगजेब का विरोध कर अजीत सिंह को मारवाड़ का शासक बनाया। परन्तु अजीत सिंह ने बुरे लोगों के बहकावे में आकर दुर्गादास राठौड़ को मारवाड़ से निर्वासित कर दिया। दुर्गादास राठौड़ को जेम्स टॉड ने 'राठौड़ों का यूलीसैस' कहा है।

445. वागड़ के परमार राजवंश की राजधानी कहाँ थी?

(a) मालवा (b) जालौर
(c) आबु (d) उत्थुणक

कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत/यांत्रिक)-2020

Ans. (d) – परमार वंश के शासकों में से एक राजा पुण्डरीक ने अपनी राजधानी अर्थुना में स्थापित की, जिसका मूल नाम उत्थुनक है। वागड़ के परमार दुम्बर सिंह के वंशज थे। अर्थुना इस राज्य की राजधानी थी।

446. जोधपुर के कौन से शासक अपने राज्य को स्वतंत्र इकाई रखना चाहते थे?

(a) महाराणा हनुवन्त सिंह (b) महाराजा उम्मेद सिंह
(c) महाराजा भुपाल सिंह (d) महाराजा भीम सिंह

कनिष्ठ अनुदेशक (मैकेनिक डीजल इंजन)-2018

Ans. (a) – 1947 में भारतीय स्वतंत्रता के बाद जोधपुर के अन्तिम शासक महाराजा हनुवंत सिंह ने भारत में विलय पत्र पर हस्ताक्षर करने में देरी की। लेकिन वी.पी. मेनन के समझाने के परिणामस्वरूप भारत में विलय पत्र पर हस्ताक्षर किए थे।

447. कौन सा कूट सुमेलित नहीं है?

(a) जोधपुर - राठौर
(b) अजमेर - भाटी
(c) जयपुर - कछवाहा
(d) सिरोही - देवड़ा

JEN Mechanical Diploma 21.8.2016

Ans. (b) – सही सुमेलित है-

	स्थान		शासक
(i)	जोधपुर	-	राठौर
(ii)	अजमेर	-	चौहान
(iii)	जयपुर	-	कछवाहा
(iv)	सिरोही	-	देवड़ा
(v)	जैसलमेर	-	भाटी

448. मालवा में सर्वप्रथम मराठा आक्रमण कब हुआ है-

(a) 1685 ई. (b) 1692 ई.
(c) 1792 ई. (d) 1699 ई.

JEN Mechanical Degree (Tsp Area)16.10.2016

Ans. (d) सत्रहवीं शताब्दी की समाप्ति के बाद ही मालवा में अशांति, विद्रोह और अराजकता का दौर आरंभ हुआ। 1699 ई. में मराठों ने कृष्णाजी सावंत के नेतृत्व में नर्मदा नदी पार करके मालवा में लूटमार की। यह मालवा में मराठों का सर्वप्रथम आक्रमण था।

449. मुगल सम्राट की आज्ञानुसार राजपूताना में शहरी पदाधिकारियों द्वारा जारी किये जाने वाले कागजात कहलाते थे-

(a) खरीता (b) मन्सूर
(c) फरमान (d) हस्बुल हुक्म

JEN Mechanical Degree (Tsp Area)16.10.2016

Ans. (d) मुगल सम्राट की आज्ञानुसार राजपूताना में शहरी पदाधिकारियों द्वारा जारी किए जाने वाले कागजात 'हस्बुल हुक्म' कहलाते थे। जबकि फरमान, मंसूर व रुक्के सम्राट द्वारा स्वयं जारी किए जाते थे।